Nehru Yuva Kendra Sangathan
नेहरु युवा केन्द्र संगठन

23RD NATIONAL YOUTH FESTIVAL-2020
12-16 JANUARY, 2020 | LUCKNOW

साथ साथ
कल की ओर...

फिट यूथ
फिट इंडिया

Nehru Yuva Sandesh

23th National Youth Festival, 12 – 16 January, 2020, Lucknow, Uttar Pradesh

Vol. 23/4 | Nehru Yuva Kendra Sangathan Newsletter | Wednesday, 15 January, 2020

सुविचार

राष्ट्र सेवा जीवन का ध्येय बने

राष्ट्रीय युवा महोत्सव के तीसरे दिन राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा आयोजित सुविचार एवं युवा समागम कार्यक्रम के अंतर्गत इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान के स्वामी विवेकानंद मंडप में रामकृष्ण मिशन आश्रम के स्वामी निखिलेश्वरानंद और युवा आईकॉन हरि बोरकर ने युवाओं को संबोधित किया .

स्वामी निखिलेश्वरानंद ने इस अवसर पर कहा कि स्वामी विवेकानंद का पूरा जीवन सकारात्मक ऊर्जा से ओतप्रोत था। यही कारण है कि उन्होंने पूरी दुनिया को प्रेम और भाईचारे का संदेश दिया। उन्होंने स्वामी विवेकानंद जी के मेन मेकिंग और नेशन बिल्डिंग की परिकल्पना को साकार करते हुए युवाओं का मनसा, वाचा, कर्मणा एक होने का सन्देश दिया। स्वामी विवेकानंद ने शिव ज्ञान से जीव सेवा के संकल्प को चरितार्थ करने हेतु जिन संदेशों का युवाओं तक फैलाया वह तभी संभव है जब हमारे युवा आत्मसयंम, आत्म विश्वास, आत्म ज्ञान, त्याग और आत्मनिर्भरता के मूल मंत्र को समझेंगे। उन्होंने चरित्र निर्माण, राष्ट्र निर्माण और विश्व निर्माण को साकार करने हेतु शिक्षण संस्थानों के प्रमुखों के साथ साथ माता पिता और शिक्षको की अहम भूमिका को रेखांकित किया और कहा कि भारत के युवा अपने आत्मज्ञान से दुनिया को एक नई दिशा प्रदान करेंगे।

राष्ट्र निर्माण के लिए युवा विषय पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि वर्ष 1985 से स्वामी विवेकानंद की जयंती 12 जनवरी को राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाया जाता है, इसका मूल उद्देश्य युवाओं में राष्ट्रीय चेतना जागृत करना है और युवाओं को राष्ट्र के विकास के कार्यों से जुड़ने के लिए प्रेरित एवं प्रोत्साहित करना है। स्वामी विवेकानंद के उद्घोष – उत्तिष्ठत, जाग्रत, प्राप्य वरान्निबोधत को जीवन का सूत्र वाक्य बनाने हेतु युवाओं का आह्वान किया.

हरि बोरकर ने इस अवसर पर युवाओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि देश को आगे बढाने और मजबूत करने के लिए आगे आना होगा। देश की अर्थव्यवस्था बहुत तेजी से आगे बढ़ रही है। इसके लिए यूथ को सकारात्मक कार्य करना होगा। युवाओं को सोशल मीडिया को अपनी ताकत बनानी होगी। इस दौरान सियाचिन, कश्मीर के साथ ही साथ बॉर्डर पर तैनात सेना के जवानों के चुनौतियों को भी बताया। इसरो और नासा की तुलनात्मक स्थिति के माध्यम से कई बातों को बताया। युवाओं के कंधे पर देश की अर्थव्यवस्था को बेहतर करने की जिम्मेदारी है. फिट यूथ फिट इंडिया की थीम पर युवाओं को आगे बढ़ाना है. लैंड बैंक बनाये जाने की प्रक्रिया चल रही है। जो युवाओं को काफी मदद देगी। जिसका मकसद उन युवाओं को जमीन देना है जो खेती करना चाहते हैं लेकिन उनके पास जमीन नहीं है. खाली पड़ी जमीन को लैंड बैंक में रखा जाएगा. इससे युवा को खेती करने की ओर रुझान बढ़ेगा। कुछ छात्र दूसरों के इशारे पर चल रहे हैं. उन्हें देश के बारे में सोचना है. गलत बातों का युवा हमेशा विरोध करें। इस दौरान कई राज्यों के छात्रों ने हरी बोरकर से सवाल भी किये। मध्यप्रदेश, झारखण्ड, असम, यूपी आदि राज्यों के कई युवाओं ने ज्वलंत मुद्दों पर सवाल किए। हरि बोलकर ने जिसके जवाब भी दिए। भारत हमेशा मजबूत हो रहा है और होता रहेगा। हरि ने कहा कि जिस देश के युवा यह समझ जाएंगे कि उनका जीवन देश को समर्पित है तो उस देश को श्रेष्ठ बनने से कोई रोक नहीं सकता। उन्होंने युवाओं को यह संदेश दिया कि उनके जीवन का मूल उद्देश्य अपने राष्ट्र की सेवा करना और राष्ट्र की जन जन को जो तमाम सुविधाएं सरकार द्वारा मुहैया कराई गई है उन तक पहुंचाने हेतु कार्य करना है। उन्होंने युवाओं को यह संदेश दिया कि उनके जीवन का मूल उद्देश्य अपने राष्ट्र की सेवा करना और राष्ट्र की जन जन को जो तमाम सुविधाएं सरकार द्वारा मुहैया कराई गई है उन तक पहुंचाने हेतु कार्य करना है.

उन्होंने कहा कि सरकार का मूल उद्देश्य अपनी जनता को सभी सुविधाएं मुहैया कराना है और राष्ट्र को अस्थिर करने वाली शक्तियों को कमजोर करना और उसे देश से बाहर निकालना है। उन्होंने जाली नोटों का व्यापार करने वालों, तस्करी करने वालों और जालसाजी करने वालों को देश से समूल नष्ट करने हेतु युवाओं को संगठित होकर कार्य करने का आह्वान किया।

राष्ट्रीय सेवा योजना क्षेत्रीय केंद्र लखनऊ के निदेशक डॉ अशोक कुमार श्रोती ने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन का मूल उद्देश्य युवाओं को एक बेहतर प्लेटफार्म प्रदान करना है। अतिथियों का स्वागत राज्य सरकार के विशेष कार्य अधिकारी डॉ अंशुमाली शर्मा ने किया। विवेकानंद के जीवन पर पर राष्ट्रीय युवा पुरस्कार विजेताओं और यूथ आईकॉन द्वारा संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें अनेक राष्ट्रीय युवा पुरस्कार विजेताओं और युवाओं ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना, नेहरू युवा केंद्र से जुड़े स्वयंसेवकों, युवाओं ने विशेष तौर से भाग लिया।

Carnatic Vocal Solo shows its charisma at NYF-2020

The Carnatic Vocal Solo performance under Competitive events left a phenomenal imprint to the audience. The vocalists and singers from different states of India marked their presence with the outstanding performances.

The program began with the high energy song by the contestant of Punjab. Giving power packed performance, the rest of the participants, coming from different states, also won the heart of judges along with the whole listeners.

The participants at Carnatic Vocal Solo Competition were, Janhavi Sharma (Punjab), Madhav Dev (Kerala), Umesh Patro (Odisha), Vivek T.A (Maharastra), E. Pratyusha (Andhra Pradesh), Sumana Vittala (Rajasthan), Aditi B. Prahalad (Karnataka).

The contestant from Maharashtra, Vivek T.A presented *'Chalakalalla'* song in RB Ragam. While sharing his thoughts about music, Vivek revealed that he is not only learning music but worshiping it since the age of 4. He says, "Practice and love what make the real and beautiful music."

Presenting the beautiful annotation, articulation, and modulation of vocals, the participants from Andhra Pradesh and Karnataka made the audience sink into the rhythm of their voice. E. Pratyusha and Aditi B. Prahalad, coming from Andhra Pradesh and Karnataka respectively, said that despite lack of proper training and coaching, they worked hard and managed to learn the music and came to NYF-2020. They say, "Music is the cultural asset of India and we should adore and keep it alive."

In the end of the event, Mahipal Singh, thanked everyone present there, especially the judges of the event, T.V Mani Kanan and Shri G. Elangovan. Gopal Chandra Ojha, NYKS and Subham coordinated the programme successfully. Swati Singh Rajput compared the programme beautifully.

Nehru Yuva Kendra Sangathan
नेहरु युवा केन्द्र संगठन

फिट यूथ फिट इंडिया

23वां राष्ट्रीय युवा उत्सव लखनऊ

साथ साथ कल की ओर...

Vol. 23/4 | Nehru Yuva Kendra Sangathan Newsletter | Wednesday, 15 January, 2020

सामाजिक बुराईयों और महिला सशक्तिकरण के लिए युवाओं ने दिखाई एकांकी में प्रतिभा

23वें राष्ट्रीय युवा उत्सव लखनऊ में बी.बी.डी. के डा. अखिलेश दास गुप्ता ऑडिटोरियम में एकांकी अभिनय की प्रस्तुतियों की शुरूआत बाबू बनारसी दास विश्वविद्यालय के निदेशक आपरेशन सलमान बेग ने दीप प्रज्ज्वलित कर की। इस अवसर पर एकांकी स्पर्धा में शामिल मणिपुर, राजस्थान, उ0प्र0, पंजाब, आंध्र प्रदेश, गुजरात ने अपनी–अपनी प्रस्तुति दी। उत्तर प्रदेश की टीम ने सफर एकाकी में बताया कि बहुत सिखाया जिन्दगी के सफर अंजाने ने, वो किताबो में दर्ज नही, जो पढ़ाया सबक जमाने ने। झारखंड की एकांकी मारीया फरार में, मरिया 14 वर्ष की एक नाबालिग बच्ची जिसके साथ हुए दुष्कर्म और तकलीफो को दर्शाया गया। वहीं पर हिमाचल प्रदेश से दुख दरिया में कौसर जिसके पास बच्चा नहीं परिवार के लोग उसे बांज कह कर जलील करते है। तमिलनाडु ने द डेस्टिनी ऑफ द मंकी

मेंन, बिहार से साउण्ड ऑफ यूथ में महिला अपने पर हो रही घटनाओं और समाज और कानून के बीच दोषी को सजा देने में सालो लग जाते है पर मार्मिक प्रस्तुति की।

एकांकी में गुजरात, गोवा, हरियाणा, महाराष्ट्र, तमिलना. डू, पडडुचेरी की टीमों ने बेटी बचाओ बेटी पढाओ, स्वच्छ भारत, जातिवाद, बाजार, द हन्टिंग स्प्रिट, ह्यूमन ट्रैफिकिंग, दुखदरिया और रिप्लेसमेंट आदि विषयों पर दर्शकों को अपनी महत्वपूर्ण प्रस्तुति दी। इस अवसर पर नेहरू युवा केन्द्र संगठन के उपाध्यक्ष दिनेश प्रताप सिंह, शासी बोर्ड सदस्य राजेन्द्र प्रसाद सेन तथा युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के अवर सचिव राजीव कुमार सिंह व धर्मेन्द्र यादव उपस्थित रहे।

वन एक्ट प्ले के नोडल अधिकारी राजेश कुमार जादोन सहयोगी रवि सुम्बारिया तथा राज्य सरकार की समन्वय अधिकारी आरती जयसवाल, मीराज खान स्वयंसेवक पार्थ, विनय, मोहन श्याम, रवि और विनय कुमार उपस्थित रहे।

चाणक्य नाटक की प्रभावी प्रस्तुति

चाणक्य नाटक का मंचन विवेकानन्द सभागार में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्रदेव सिंह एवं उत्तर प्रदेश के खेल मंत्री उपेंद्र तिवारी द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। इस दौरान प्रमुख सचिव एवं महानिदेशक युवा कल्याण विभाग डिंपल वर्मा, लखनऊ के कमिश्नर मुकेश मेश्राम, लखनऊ के जिलाधिकारी अभिषेक प्रकाश, नेहरू युवा केंद्र संगठन के शासी बोर्ड के उपाध्यक्ष दिनेश प्रताप सिंह मौजूद रहे।

चाणक्य नाटक को लिखा है मिहिर भूटा ने। इसका निर्देशन मशहूर अभिनेता एवं पदमश्री पुरस्कृत मनोज जोशी ने किया और इसकी निर्माता है चारु जोशी।

राष्ट्रगान को गाकर नाटक के मंचन की शुरुआत हुई। कार्यक्रम की रूपरेखा बताते हुए मनोज जोशी बताते हैं की नाटक का मंचन 1990 से लगातार होता आ रहा है और आज इस नाटक का 1192वा प्रस्तुतिकरण है।

नाटक के मंचन के द्वारा बहुत खूबसूरती से दिखाया गया कि कैसे महाचार्य चाणक्य जो तक्षशिला विश्वविद्यालय के कुलपति थे उन्होंने अपने देश के मान सम्मान और सांस्कृतिक धरोहर बचाने के लिए पूरे भारत का भ्रमण करते हैं और चंद्रगुप्त को सम्राट बनाते हैं।

यह नाटक इस बात को बहुत बेबाकी से प्रदर्शित करता है की शिक्षक सिर्फ शिक्षा ही नहीं देता है, वह समय आने पर अपने राष्ट्र ,अपने देश को बचाने के लिए हर संभव प्रयास करने के लिए तैयार रहता है। जैसे चाणक्य कहां करते थे की निर्माण और प्रलय दोनों शिक्षक अपनी गोद में लेकर खेलता है।

फिट यूथ फिट इंडिया

- जीवात्मा की वासभूमि इस शरीर से ही कर्म की साधना होती है – जो इसे नरककुण्ड बना देते हैं, वे अपराधी हैं और जो इस शरीर की रक्षा में प्रयत्नशील नहीं होते वे भी दोषी हैं।
- शारीरिक दुर्बलता कम से कम हमारे एक तिहाई दुःखों को कारण है।
- नियमित व्यायाम के बिना शरीर कभी ठीक नहीं रहता है।
- रोज सवेरे–शाम टहलो, शारीरिक परिश्रम करो– शरीर और मन साथ ही साथ उन्नत होने चाहिए।
- अशुद्ध जल और अशुद्ध भोजन रोग का घर है।
- पहला लाभ है स्वास्थ्य। हममें से निन्यानबे प्रतिशत लोग ठीक से साँस भी नहीं ले पाते हैं। हम अपने फेफड़ों को पर्याप्त फुलाते नहीं हैं। .... नियमित (श्वास) लेने से शरीर शुद्ध हो जाता है।
- श्वास–प्रश्वास की प्रथम क्रिया बिल्कुल निरापद है और बड़ी स्वास्थ्यप्रद है। कम से कम वह तुमको उत्तम स्वास्थ्य प्रदान करेगी और साधारणतः तुम्हारी दशा में सुधार करेगी।

(स्वामी विवेकानन्द द्वारा फिट रहने के लिए दिए गए मूल मंत्र)

Nawab Drummer : A child prodegy

Today on the 3rd day of 23rd National Youth Festival we were surprised with the perfomance of the 6 year old charming Drummer: He is Devaagyh Dixit. He cheered the crowd with his motivation Indian Fusion Drum solo and the crowd of youth from all across India cheered him with claps and whistling. Devaagyh also known as Nawab Drummer. He is India's Youngest Drummer and India's Fastest Drummer, holding 16 National Records and 7 World Records and 1 Grand master's Title from World Records University (London, UK). He has been awarded by Shirdi Sansthan, ISCKON Temple and felicitated by many Bollywood celebrities including Mrs Dia Mirza and Mrs Malini Awasthi. He has also been felicitated by Shri Yogi Adityanath, (CM of UP) and Baba Ramdev jee.

He presented a Rock Style Drum solo and also did beat boxing for the audience. It was indeed a great start for the event at 1090 Chauraha, Lucknow.

Nehru Yuva Kendra Sangathan
नेहरु युवा केन्द्र संगठन

फिट यूथ फिट इंडिया

23RD NATIONAL YOUTH FESTIVAL-2020
12-16 JANUARY, 2020 | LUCKNOW

साथ साथ कल की ओर...

Vol. 23/4 | Nehru Yuva Kendra Sangathan Newsletter | Wednesday, 15 January, 2020

यंग आर्टिस्ट कैम्प

मिट्टी और रंगो से भावनाओं को उकेरते युवा कलाकार

कला भावनाओं को व्यक्त करने का सर्वोत्तम तरीका है। जो भावनाएँ हजारों शब्द मिलकर व्यक्त नहीं कर पाते उन्हें एक मूर्ति या पेंटिंग व्यक्त कर देती है। युवा कलाकार अपनी भावनाओं की अभिव्यक्ति कर सकें इसके लिए 23वें राष्ट्रीय युवा उत्सव में यंग आर्टिस्ट कैम्प का आयोजन किया गया है।

यंग अर्टिस्ट कैम्प में विशेष रूप से चित्रकला, मूर्तिकला एवं फोटोग्राफी प्रतियोगिता रखी गयी हैं। कैम्प में सृजनरत कलाकारों को देखना एक अहलदा अनुभव है। कोई अनगढ़ मिट्टी को आकार देकर उसमें जान डाल रहा है तो कोई केनवास पर अपनी कल्पनाओं में रंग भर रहा है। कैमरे से कलात्मक तस्वीरें खींचने वाले युवाओं के लिए तो मानो राष्ट्रीय युवा उत्सव सोने पे सुहागा जैसा अवसर है। उन्हें पूरे देश के रंग एक साथ अपने कैमरे में कैद करने का इससे अच्छा अवसर कहाँ मिलेगा।

लखनऊ की समीक्षा जैन कूची से केनवास पर रंग भरने में तन्मय थीं। जितने उत्साह से वह चित्रकारी कर रहीं थीं उतने ही उत्साह से उन्होंने अपनी उन भावनाओं के बारे में बताया, जिसे वह केनवास पर उतार रही थीं। अपनी पेंटिंग में उन्होंने भारत के नक्शे को रंगो से भर कर यह बताने का प्रयास किया है कि कितना खूबसूरत लगता है रंगो से सराबोर देश। इसकी एकता अखंडता एवं संस्कृति को व्यक्त करने का यह सबसे अच्छा तरीका हो सकता है।

नागालैंण्ड के विको "यूथ विजन फार न्यू इण्डिया" पर मूर्ति शिल्प गढ़ रहे थे। मिट्टी को आकार देते हुए उन्होंने बताया कि उनके शिल्प में एकता–अखंडता का पाठ भी है तो आगे बढ़ने के लिए शांति की आवश्यकता भी प्रदर्शित की गई है। उत्तर प्रदेश के अमित कुमार ने अपने शिल्प में ज्ञान की महत्ता को आकार दिया है। ग्रंथ के ऊपर ग्लोब और उसके ऊपर खड़े स्वामी विवेकानन्द शिल्प से अमित कुमार यह संदेश देना चाहते हैं कि दुनिया में ज्ञान ही सर्वोपरी है जिससे विवेकानंद जैसी विभूतियाँ जन्म लेती हैं। उड़ीसा (कालाहांडी) से आए खिरा सिंधु बोई ने अपने शिल्प में उड़ीसा संस्कृति को आकार दिया है, जिसमें सबसे ऊपर भगवान जगन्नाथ विराजित हैं।

छत्तीसगढ़ के भोजराज धनगर के शिल्प में युवाओं के सपनों को आकार दिया गया है। शिल्प में विश्वशांति एवं शिक्षा के महत्व को उकेरा गया है। उड़ीसा के ईश्वर कुमार मोहंतो ने नए भारत के निर्माण में युवाओं की भूमिका को एक्रीलिक कलर्स पोट्रेट के रूप में आकार दिया। असम के बाबू अहमद की पेंटिंग

में युवा एक –दूसरे को सहारा देते दिखाए गए हैं जो मिलकर आगे बढ़ने का संदेश देती है।

केरल के मनु थामस की पेंटिंग शिक्षा के महत्व को बताती है। त्रिपुरा के जयदीप नाथ की पेंटिंग में युवाओं को देश की रीढ़ बताया गया है। उनका संदेश है कि रीढ़ मजबूत रहेगी तो देश मजबूत रहेगा। छत्तीसगढ़ के दीपक शर्मा ने बताया कि उन्होंने अपनी पेंटिंग के माध्यम से परिश्रम की महत्ता को उकेरा है।

कश्मीर के फारूख अहमद ने उभरते भारत की तस्वीर पेश की है। उनकी कल्पना की पेंटिंग में कश्मीर में मेट्रो को चलते हुए दिखाया गया है। मध्य प्रदेश के अरविन्द प्रजापति के शिल्प में युवा हाथ में मशाल लेकर चल रहे हैं जो देश को आगे बढ़ने का रास्ता बताते हुए प्रतीत होते हैं। फोटोग्राफी में अपना हुनर दिखाने आए मध्य प्रदेश के गितेश्वर मस्की और लखनऊ के विशाल कनौजिया कहते हैं कि पूरे देश के रंग और चेहरे युवा उत्सव में मौजूद हैं, उनकी फोटोग्राफी के लिए यह एक सर्वोत्तम अवसर है।

कलाकारों से बातचीत के क्रम में दो युवा ऐसे भी मिले जिनसे मिलकर लगा कि राष्ट्रीय युवा उत्सव जैसे युवा समागम कैसे युवाओं को प्रेरित करते हैं।

बड़े मनोयोग से मिट्टी को आकार दे रहे उत्तर प्रदेश के दिलीप राठौर और छत्तीसगढ़ की बंदना गोयल से उनके शिल्प के बारे में पूछने पर उन्होंने बताया कि वह कोई कलाकार नहीं हैं अपितु इतने युवाओं को कलासृजन में डूबा हुआ देखकर उनहें सहज प्रेरणा हुई और वह मिट्टी को आकार देने का प्रयास करने लगे। सहज प्रेरणा से गढ़ा जा रहा उनका शिल्प बहुत प्रभावी भले ही न हो लेकिन उनमें सृजनात्मकता के प्रस्कुटन की ओर तो इंगित कर ही रहा था। राष्ट्रीय युवा उत्सव युवाओं में सृजनात्मकता उभारने का प्रयास ही तो है।

नेहरु युवा केन्द्र संगठन के उपाध्यक्ष दिनेश प्रताप सिंह, एस. विष्णु वर्धन रेड्डी, शासी निकाय के सदस्य राजेन्द्र प्रसाद सेन, श्रीमती माधवी अग्रवाल एवं नेहरु युवा केन्द्र संगठन के कार्यकारी निदेशक ले. कर्नल अरुण कुमार सिंह ने यंग आर्टिस्ट कैम्प का भ्रमण कर युवा कलाकारों की हौसला अफजाई की। यंग आर्टिस्ट कैम्प नोडल अधिकारी आर. वेंकटेशम एवं सहायक निदेशक देवेन्द्र कुमार और माहे आलम के संयोजन में आयोजित किया जा रहा है।

Nehru Yuva Kendra Sangathan
नेहरु युवा केन्द्र संगठन

23वां राष्ट्रीय युवा उत्सव लखनऊ

साथ साथ कल की ओर...

फिट यूथ फिट इंडिया

Vol. 23/4 | Nehru Yuva Kendra Sangathan Newsletter | Wednesday, 15 January, 2020

लोक नृत्यों ने बिखेरी रंग–बिरंगी छटा

राष्ट्रीय युवा महोत्सव के तीसरे दिन विभिन्न राज्यों से आए युवा कलाकारों ने मनमोहक लोक नृत्य प्रस्तुत किए। कार्यक्रम का प्रारंभ हरियाणा राज्य के लोक नृत्य खोडिया से हुआ। पंजाब से आए हुए कलाकारों ने दर्शकों को भांगड़ा नृत्य से झूमने को मजबूर किया और अपने शानदार लोक नृत्य का प्रदर्शन किया। प्रकृति व देवों की भूमि उत्तराखंड से आए हुए कलाकारों ने झुमैलो लोक नृत्य का मनमोहक प्रस्तुतीकरण किया। कर्नाटक राज्य के कलाकारों ने कमसाले नृत्य जो भगवान महादेश्वर के भक्तों द्वारा की जाने वाली एक लोक कला विद्या है। केरल राज्य के प्रसिद्ध लोक नृत्य एरोकली का प्रस्तुतीकरण हुआ जो अपने आप में अलग ही महत्व रखता है तथा लोगों के मूल स्वभाव व मनोभाव को दर्शाता है। पुदुचेरी राज्य का लोक नृत्य पराई वहां` कलाकारों ने प्रस्तुत किया। बिहार राज्य के कलाकारों ने उनका लोकनृत्य झिझिया प्रस्तुत कर दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। छत्तीसगढ़ ने अपने पांच लोक नृत्य सुआ, करमा, राउत नाचा, ददरिया, पंथी का एक साथ मिलाजुला प्रदर्शन किया।

तंदूर की चाय

युवा महोत्सव के फूड फेस्टिवल में चाय के स्टाल चर्चा में हैं, क्योंकि यहां पर अलग–अलग स्वाद की चाय लोगों को अपनी ओर खींच रही है। मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, कश्मीर और छत्तीसगढ़ की चाय की इस सर्द मौसम में विशेष मांग है।

राजस्थान के सवाईमाधोपुर की **कढ़ाई चाय** बड़ी खास है। जो ठंड में काफी राहत प्रदान करती है. रणथम्भोर चाय शौक के लिए ही नहीं बल्कि स्वास्थ्य के लिए भी अच्छी होती है। स्टाल के संचालक महेंद्र कुमार शर्मा ने बताया कि इस चाय को पीने से ठंड के महीने में स्वास्थ्य बेहतर रहता है।

लखनऊ के माल रुदान खेड़ा **मलिहाबाद की चाय** पिला रहे मानस राज सिंह ने बताया कि वह 2010 से इस तरह की चाय पिला रहे हैं। इनकी चाय ने उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति दिलाई है।

लखनऊ के बीकेटी के पवन कुमार गुप्ता की **तंदूर वाली चाय** खासतौर पर लोगों को भा रही है। जो पूरी तरह से तंदूर पर बनती है और मिटटी के कुल्हड़ में परोसी जाती है।

कश्मीर के श्री नगर की **केसर चाय** और कहवा चर्चा में है। दीम अहमद ने बताया कि केसर चाय को बनाने में समय लगता है। यह खांसी और कफ के लिए बड़ी लाभकारी होती है।

छत्तीसगढ़ी **मसाला चाय** में गुड़ सोंठ और तिल का प्रयोग किया है। स्टाल संचालक पूजा धनगर ने बताया कि यह मसाला चाय स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी है।

Nehru Yuva Kendra Sangathan
नेहरु युवा केन्द्र संगठन

23RD NATIONAL YOUTH FESTIVAL-2020
12-16 JANUARY, 2020 | LUCKNOW

साथ साथ कल की ओर...

Vol. 23/4 Nehru Yuva Kendra Sangathan Newsletter Wednesday, 15 January, 2020

Classical Dance

The rhythm of mythological reminiscence

The National Youth Festival-2020 came up with the classical dance competition - **Odissi** on its third day which begun with an incredible spark and left a prominent mark on the audiences. Odissi is one of the 8 recognised classical dance forms in India. In the event, participants from eleven different states participated in the competition show casing the traditional illustrative mythological performing art that originated in the temples of the eastern coastal state of Odissa.

The competition took place in the Mercury Auditorium of Indira Gandhi Pratishthan and was judged by two most renowned personalities who have an eternal charm in Odissi classical dance, Mrs. Kavita Dwibedi and Janhabi Behera. The enriching performance by different states blew the fragrance of Odissi culture in the ambience.

Odissi is one of the toughest dance forms of the country and traces its origin back to the works of Bharat Munis's Natya Shastra. The performances were based in illustrative anecdotes of mythological and religious theme, Vaishnav Cult, devotional poem, experts from Jayadeva's 'Geet Govind' and those associated with Hindu gods such as Shiva and Shakti. Episodes from the mystic tales of lord Krishna included 'Bakasura,' 'Shakatasurai,' 'Kaliyadaman,' and 'Viswaroopa.' One participant performed a narration which tells the tale of a devotee who says "Lord your rescued the elephant king when he was caught by a crocodile, you heard Draupadi's plight, you transformed little Prahlad into half man half lion king Narsimha, O Lord I bow to your lotus feet!"

Names of participants include Vaishnavi Velaye from Maharashtra, Harekrushna Dhall from Odisha, Anurag Sharma from Rajasthan, Hiranyamayi Depti from Gujarat, Arpita Debashree from Delhi, vanilla Sravani from Andhra Pradesh, Sweta Malik from Uttrakhand, Shivani Kumari from Bihar, Poonam Basava from Karnataka, Kavaya Rajagopal from Kerala and Vijeta Vernekar from Haryana, who left the audience spell bound by their performance.

The rhythm of classical dance competition is getting high day by day in the National Youth Festival, 2020. The Mercury Auditorium of Indira Gandhi Pratishthan witnessed the soulful performances of **Kuchhipudi** classical dance competition. The dance form traces its origin back to the Sangam Era and that from Bharatmuni's *Natya Shastra*. It is a form of temple dance with basic theme of Vaishnavism

associated with the metic tales of lord Krishna. Kuchipudi is prominently practiced in the Krishna District of Andhra Pradesh. This dance form is a dance-drama performance with its expressive way of narrating the story.

The judges of the competition, Shashidharan Nair, P. Nagajothy and Ms Meera Dixit, encouraged the participants and boosted them withoptimistic words.

Participant Priyanshi enacted 'Krishna Shabdam' where she being the Nayika performs with sheer ecstasy the divine love of Lord Krishna.

Dancers dressed in beautiful *'Angvastra'*, also known as *'Bagalbandi'* enthralled the audience with their performance. Participants namely Shivani Yadav from Rajasthan, Tanmayee Gajbhiye from Maharashtra, Koustubha from Karnataka, Priyanshi Jethva from Gujarat, J Nandhini from Puducherry, P Nagasri Pravallika from Andhra Pradesh, Tania Das from Bihar, Urmilla Patnaik from Odisha actively took part in the competition and made the event a huge success.

'Katha kahe so kathak kahave,' **Kathak** is the dance of story tellers. It is a recital of stories narrated through the medium of the body, face, hands, feet in rhythmic coordination with the tabla and lehra. Kathak originated in the gardens of Vrindavan and was founded by Pandit Briju Maharaj of Bindadin Gharana. The Lucknow, Banaras and Jaipur Gharanas are the prominent gharanas of the dance form. Hypnotising the audience with their intricate footwork in teen taali tehai, aamad, gat nikaas, kalawari tarana and bhajan, the participants were a visual delight.

Honourable judges for the event were Mr. Sadanand Biswas, Ms. Ranjana Sarkar and Ms. Surabhi Singh. Participants were Aparajita Patel, Snehasini Nayak, Meenakshi, Rohani Kumari, namita Yogesh raut, Sunny Kumar, Nitu Kumari, Amruta, Raghav Monga, Krishna Sharma, Arshdeep Kaur, Dhwani Rawal, Kaushiki Dhyani, Roweena James.

Manipuri dance finds its origin in the lands of Manipur. It is particularly known for its Hindu Vaishnavism themes and exquisite performances of love-inspired dance drama of Radha-Krishna. Other themes include Shaivism, Shaktism and Bhakti tradition. The roots of Manipuri dance, as with all classical Indian dances, is the ancient Natya Shastra

with influences and the culture fusion between various local folk dance forms.

According to the traditional legend, the indigenous people of the Manipur valley were the dance-experts revered as Gandharvas in the Hindu epics Ramayana and Mahabharat, suggesting a dance tradition has existed in Manipur since antiquity. With evidence of Vishnu temples in the medieval era, the dance arts have been passed down verbally from generation to generation. Participants from all across the country came forward to showcase their potentials in Manipuri Dance. Dressed in traditional Innaphi, Phanek and Sarong, participants fascinated their audience with their compositions.

Honourable judges for the event were Ms. Ranjana Sarkar, Ms. Janhabi Behera and Mr. Rasaraj Mukherjee. Participants for the event include Tripura sai Monika, Vishnu Kumar, Jeetendra Kumar Mohanty, Oram Sonali Devi, Vijeta Vernker and Hansui Yadav.

Organisers for the event include Mr. B. S. Gill, Nodal Officer and Mr. Mahendra Singh Sisodia, Ms. Jasleen Kaur and Mr. Dinesh Tripathi.

Nehru Yuva Kendra Sangathan
नेहरु युवा केन्द्र संगठन

23वां राष्ट्रीय युवा उत्सव लखनऊ

साथ साथ कल की ओर...

Vol. 23/4 | Nehru Yuva Kendra Sangathan Newsletter | Wednesday, 15 January, 2020

लखनऊ बनी सांस्कृतिक विविधता की गवाह

राष्ट्रीय युवा उत्सव के अर्न्तगत गैर–प्रतिस्पर्धी वर्ग में लखनऊ शहर के तीन प्रमुख स्थानों रूमी दरवाजा, 1090 चौराहा एवं जी.पी.ओ. पर देश भर से आये युवा कलाकार अपने फन का प्रदर्शन कर रहें हैं। प्रदर्शन की उन्मुक्तता एवं कलाकारों के जोश से लखनऊ की फिजा में विविधता में एकता के साक्षात दर्शन हो रहे हैं। स्थानीय निवासी देश के अलग–अलग रंग अपने आंगन में खिलते देखकर उन्हें निहार रहें हैं और भरपूर सराह रहें है।

रूमी दरवाजा पर आयोजित सांस्कृतिक संध्या में मथुरा के मयूर नृत्य एवं बृज वन्दना ने भरपूर तालिया बटोरी। उड़ीसा एवं महाराष्ट्र के कलाकारों ने पारम्परिक नृत्यों को प्रस्तुत किया। पश्चिम बंगाल, कर्नाटक एवं उत्तर प्रदेश के युवाओं के प्रदर्शन को भी भरपूर तालियाँ मिली।

1090 चौराहे पर यह तय करना मुश्किल था कि कलाकारों में ज्यादा जोश है या दर्शकों में। उत्साह एंव उल्लास को दरिया मानों यहां बह रहा था। उत्तर प्रदेश के बीन सपेरा ग्रुप ने पारम्परिक कला को प्रस्तुत किया तो हरियाणा के समूह ने होली, लोक नृत्य एवं गीत प्रस्तुत किया। उन्नाव उत्तर प्रदेश के युवाओं के द्वारा प्रस्तुत राम लीला की झाँकी ने महौल भक्तिमय कर दिया। राजस्थान के कालबेलिया नृत्य, केरल के बटापट्टू नृत्य, मणिपुर के थोंगलजागी, सिक्किम के कलाकारों ने रायपुरवा लोक नृत्य एवं हिमाचल प्रदेश के कलाकारों ने कुलतुवी नाटी लोक नृत्य प्रस्तुत कर वाह–वाही बटोरी।

जी0पी0ओ0 हजरतगंज के मंच पर आयोजित सांस्कृतिक संध्या में प्रयागराज के कीर्ति श्रीवास्तव ग्रुप ने पारम्परिक लोक गीत एवं नृत्य, पंजाब के कलाकारों ने सम्मी नामक लोक नृत्य, राजस्थान के कलाकारों ने समूह लोक नृत्य एवं मेजबान लखनऊ के कलाकारों ने अवधि, गुजराती, हरियाणवी एवं पंजाबी लोक गीतो के साथ देश भक्ति गीतो को प्रस्तुत कर समा बांध दिया । यहां पर गायक सत्येंद्र यादव ने लोक प्रिय विधा रागिनी से नशा, दहेज निरक्षरता एवं बढ़ती जनसंख्या के प्रति जागरूकता का संदेश दिया।

आंध्र प्रदेश के कलाकारों ने गाँधी जी के प्रिय भजन वैष्णव जन तो तेने ने कहिए प्रस्तुत किया। यहीं की नागाश्रवनी ने कुचिपुडी नृत्य की प्रस्तुति दी। हिमाचल प्रदेश के कलाकारो ने खुशी के मौके पर प्रस्तुत किये जाने वाला कुलवीपनी एवं पहाड़ी नृत्य प्रस्तुत किया।

सिक्किम के कलाकारों द्वारा प्रस्तुत लोक नृत्य भी भरपूर सराहा गया। यहां प्रस्तुत लोक गीत एवं नृत्य भले ही अलग–अलग लोक बोलियों में थे लेकिन सभी प्रस्तुतियों में भारतीयता की महक थीं। स्थानीय दर्शको द्वारा मिल रहा प्रतिसाद यह प्रदर्शित कर रहा था कि भावों को ग्रहण करने में भाषा कहीं बाधा नहीं बनती।

यूं ही नहीं कहा जाता कि हमारे देश की विशेषता –विविधता में एकता।

23rd National Youth Festival, Lucknow, Uttar Pradesh

Programme : 12-16 January, 2020

Date	Event	Venue	Time	
			From	To
15.01.2020	Yuva Kriti	Yuva Shilp Gram, Indira Gandhi Pratisthan, Lucknow	10.00 am	8.00 pm
	Food Festival	Yuva Shilp Gram, Indira Gandhi Pratisthan, Lucknow	10.00 am	8.00 pm
	Young Artist Camp	Opp. Mars Hall, Sun Square, Indira Gandhi Pratisthan, Lucknow	10.00 am	5.00 pm
	Suvichar and Youth Convention	Vivekanand Sabhagar, Indira Gandhi Pratisthan, Lucknow	10.30 am	3.00 pm
	Cultural Evening	Vivekanand Sabhagar, Indira Gandhi Pratisthan, Lucknow	05.00 pm	7.00 pm
	Adventure Camp	PRD and Home Guard Parade Ground, Jail Road, Lucnow	11.00 am	5.00 pm
	Non-Competitive Event	1090 Chauraha Rumi Gate G.P.O. Park	3.00 pm 3.00 pm 3.00 pm	6.00 pm 6.00 pm 6.00 pm
	One Act Play	B.B.D. University Auditorium, Lucknow	10.00 am 2.30 pm	1.00 pm 6.30 m
	Folk Dances	Jupiter Hall, Indira Gandhi Pratishthan, Lucknow	10.00 am 2.30 pm	1.00 pm 6.30 pm
	Elocution	Mars Auditorium, Indira Gandhi Pratisthan, Lucknow	10.00 am 2.30 pm	1.00 pm 6.30 pm
	Classical Instrumental Solo - Mridangam - Guitar)	Rajya Manav Adhikar Bhawan Auditorium, Lucknow	10.00 am 2.30 pm	1.00 pm 6.30 pm
	Bharat Natyam	Mercury Auditorium, Indira Gandhi Pratisthan, Lucknow	10.00 am 2.30 pm	1.00 pm 6.30 pm
	Harmonium (Light)	Pluto Hall, Indira Gandhi Pratisthan, Lucknow	10.00 am 2.30 pm	1.00 pm 6.30 pm
16.01.2020	Closing Ceremony	Indira Gandhi Pratisthan, Lucknow	11.00 am onwards	

Published by The Media Wing, Nehru Yuva Kendra Sangathan, New Delhi. | www.nyks.nic. | E-mail: medianyf2020@gmail.com
Printed by Tanveer Technographics, Lucknow.